प्राक्कथन

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यन्वयन मंत्रालय के केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (के.सां.सं) ने राष्ट्रीय आय,उपभोग व्यय, बचत एंव पूंजी निमार्ण के त्वरित अनुमान 2004–05 सहित एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से 31.1.2006 को आधार वर्ष 1993–94 वाली पूर्ण अंकमाला के स्थान पर आधार वर्ष 1999–2000 सहित राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की नई अंकमाला शुरू की है। तत्पश्चात, के,सां.सं. ने नयी अंकमाला में किए गए परिवर्तनों को प्रलेखित करते हुए फरवरी, 2006 में एक विषरणिका प्रकाशित की जो विविध बृहत–आर्थिक समाहारों से सीधे सम्बन्धित है.

2. यह अंक आधार वर्ष 1999–2000 सहित राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की नई अंकमाला के अनुसार, वर्ष 1999–2000 से 2003–04 की अवधि के राष्ट्रीय/देशीय उत्पाद, राष्ट्र का समेकित लेखा, निजी अन्तिम उपभोग व्यय, बचत, पूंजी निर्माण और सार्वजनिक क्षेत्र संव्यवहार के अनुमान को प्रस्तुत करता है। यथासंभव वर्ष 2004–05 के त्वरित अनुमानों को भी प्रस्तुत किया गया है। राष्टीय लेखा सांख्यिकी में दर्शाई गई अर्थव्यवस्था की समीक्षा संबधी एक संक्षिप्त विश्लेशणात्मक प्रलेख भी इस प्रकाशन में शामिल किया गया है।

3. स्थिर मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) के व्यय धटकों को उपलब्ध कराने के लिए विवरण–1 में स्थिर (1999–2000) मूल्यों पर आयात, निर्यात, और निजी अन्तिम उपभोग व्यय के अनुमान प्रस्तुत किए गएं हैं। वर्ष 2006–07 के दौरान राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संबधी प्रकाशनों का अग्रिम प्रकाशन कैलेंडर उपल्बध कराया गया है। इस अंक में प्रस्तुत की गई निम्नलिखित विशेष विवरणियां हैं :–

(1) मूल्यह्रास जैसा कि लेखा बहियों में दिया गया है,

(2) 1999–2000 से 2004–05 तक की अवधि के लिए पशुधन क्षेत्र से घरेलू उत्पाद,

(3) वर्ष 2005–06 के लिए 31 मई 2006 को ज़ारी किये गए प्रचलित और स्थिर (1999–2000) मूल्यों पर राष्ट्रीय आय के संशोंधित अनुमान तथा वर्ष 1999–2000 से 2005–06 वर्षों के लिए प्रचलित और स्थिर (1999–2000) मूल्यों पर जीडीपी के तिमाही अनुमान।

4. नई अंकमाला में किए गए परिर्वतनों और राष्ट्रीय लेखा की नई अंकमाला पर दी गई सलाह हेतु मैं राष्ट्रीय लेखा संबधी सलाहकार समिति के अध्यक्ष, प्रो. एस.डी. तेन्दुलकर और सलाहकार समिति के अन्य सदस्यों का आभारी हूँ। राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के समेकन हेतु अपेक्षित आंकड़ें उपल्ब्ध कराने में सहयोग के लिए केन्द्रीय मंत्रालयों तथा विभागों, भारतीय रिर्ज़व बैंक, विभागीय तथा गैर–विभागीय वाणिज्यिक संस्थान तथा सभी राज्य/संघ शासित सरकारों के अर्थ एंव सांख्यिकी निदेशालय धन्यवाद के पात्र हैं। हम इस प्रकाशन में विभिन्न राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की कवरेज़ तथा प्रस्तुति में सुधार के लिए प्रयोक्ताओं के सुझावों का स्वागत करेंगें। यह प्रकाशन प्रयोक्ताओं की सुविधा के लिये इस मंत्रालय की वेब साइट www.mospi.nic.in पर भी उपलब्ध है।

5. मैं, राष्ट्रीय लेखा प्रभाग, केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की सराहना करना चाहूंगा जिन्होने इस प्रकाशन को समय पर पूरा करने तथा राष्ट्रीय लेखों के समेकन हेतु अथक प्रयास किए हैं।

र. च. पण्डा
31.7.2006

(रमेश चन्द्र पण्डा)
भारत सरकार के सचिव

नई दिल्ली
31 जुलाई 2006